राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 5 अप्रैल • 2024

कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्वर्ण जयंती के लिये सौंपी मशाल

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्वर्ण जयंती मनाने की तैयारी तेज हो गयी है। स्वर्ण जयंती मनाने के लिये भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र अटारी के निदेशक डॉ.एसके दुवे ने सीएसएयू के निदेशक प्रसार डॉ.आरके यादव को मशाल सौंपी।

आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉ.एस के दुवे ने वताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके (कृषि विज्ञान केन्द्र) स्थापित किया गया था। श्री दुवे ने वताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों के स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉ.हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता वताते हुए इनकी उपलब्धियों को सराह्य। उन्होंने कह्य कि आने वाले समय में कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका

मशाल सौंपते आईसीएआर के निदेशक डॉ.एसके दुवे। फोटो : एसएनबी

> 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मनाएंगे कृषि विज्ञान केंद्र तैयारी शुरू

इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉ.यूएस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कह्य कि देश में

वदलाव लाया गया। उन्होंने यह भी वताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं।

इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मशाल सौंपी गयी। जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने और केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेपज्ञों, किसानों, ग्रामीण युवाओं और संवंधित विभागों के अधिकारियों के समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी कड़ी के तहत यह मशाल गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ.आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए सौंपी गई। डॉ.यादव ने वताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 224 | कानपुर, शुक्रवार 5 अप्रैल 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

निदेशक प्रसार को सौंपी कृषि विज्ञान केन्द्रों को स्वर्ण जयंती मनाने हेतु मसाल

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉक्टर हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा।उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉक्टर यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में भी बदलाव लाया गया।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा गया।जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी के तहत यह मसाल आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 272 कानपुर, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

चोटिल रोजमेरी मायर इंग्लैंड के... 10

निदेशक प्रसार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को सौंपी मशाल

कानपुर । आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉक्टर हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा।उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉक्टर यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया।उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में

भी बदलाव लाया गया।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा गया।जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी के तहत यह मसाल आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आज
महानगर
कानपुर
5 अप्रैल 2024
11

पैदावार बढ़ाने में कृषि विज्ञान केन्द्रों का रोल अहम

❑ निदेशक प्रसार को सौंपी गई कृषि विज्ञान केन्द्रों को स्वर्ण जयंती मनाने के लिए मसाल

कानपुर, 4 अप्रैल। वर्ष 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में धूमधाम से मना रहा है। आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉ हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉ. यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में भी बदलाव लायागया। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा गया। जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी आज सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ आर.के. यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निदेशक प्रसार को मसाल सौंपते अटारी के निदेशक डॉ. एस के दुबे व अन्य।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 05/04/2024

सीएसए के हर केवीके में मनेगा स्वर्ण जयंती वर्ष

kanpur@inext.co.in

KANPUR (4 April): साल 2024 को कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रहा. आईसीएआर (अटारी) कानपुर के डायरेक्टर डॉक्टर एसके दुबे ने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था. देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के डायरेक्टर्स को एक मशाल सौंपी गई, जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है. थर्सडे को सीएसए के डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉक्टर आरके यादव को सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मशाल सौंपी गई. डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी.

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/4722

वर्ष 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रहा

कानपुर, 04 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉक्टर हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा।उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉक्टर यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में भी बदलाव लाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा

गया।जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी के तहत यह मसाल आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

इरफान सोलंकी का फैसला पांचवीं बार फिर टला,

निदेशक प्रसार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को सौंपी मशाल

कानपुर । आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉक्टर हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा।उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉक्टर यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया।उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में

भी बदलाव लाया गया।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा गया।जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी के तहत यह मसाल आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

Friday 5th April 2024 jksingh.hardoi@gmail.com website: satyakaasar.com

निदेशक आईसीएआर अटारी ने निदेशक प्रसार को सौंपी कृषि विज्ञान केन्द्रों को स्वर्ण जयंती मनाने हेतु मसा

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

वर्ष 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रहा*। आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉक्टर हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा।उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉक्टर यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया।उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में भी बदलाव लाया गया।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा गया।जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी के तहत यह मसाल आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आज का कानपुर
हिन्दी दैनिक

उड़ानों का शहर

निदेशक आईसीएआर अटारी ने निदेशक प्रसार को सौंपी कृषि विज्ञान केन्द्रों को स्वर्ण जयंती मनाने हेतु मसाल

वर्ष 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रहा

आज का कानपुर

कानपुर । आईसीएआर (अटारी) कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। डॉ दुबे ने बताया की पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉक्टर हिमांशु पाठक ने अपने संदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा।उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका आने वाले वर्षों में देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय कृषक केंद्रित एवं विज्ञान परक संस्था के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निर्वाहन का आवाहन किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आईसीएआर डॉक्टर यू एस गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया।उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में भी बदलाव लाया गया।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस अवसर पर देश के 11 अटारी (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपा गया।जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित करके वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी के तहत यह मसाल आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई। डॉ यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर एस के सिंह एवं डॉ राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अब भारत घर में घुसकर मारता है: पीएम 12

लखीमपुर के बाद अब पीटीआर के अफसरों ने रोका... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 15 । अंक: 172

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

शुक्रवार । 05 अप्रैल, 2024

कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से बनाया जाएगा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रहा है। आईसीएआर अटारी के निदेशक डॉ.एस.के.दुबे ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र वर्ष 2024 में अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में देश का प्रथम केवीके स्थापित किया गया था। जिसके अंतर्गत पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्रों का स्वर्ण जयंती वर्ष का कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक आईसीएआर डॉ.हिमांशु पाठक ने कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्ता व उपलब्धियां को सराहा। आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ.यू.एस. गौतम ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के 50 वर्ष की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी के साथ समय और स्थिति अनुरूप इन केन्द्रों के अध्यादेशों में भी बदलाव लाया गया। इस अवसर पर देश के 11 अटारी(कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) के निदेशकों को एक मसाल सौंपी गई। जिसे उनके प्रदेशों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों तक पहुंचाने तथा केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष को एक कार्यक्रम के रूप में इन केन्द्रों पर आयोजित कर वहां के विशेषज्ञों, किसान ग्रामीण युवाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की समक्ष परिचर्चा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी क्रम में गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ.आर.के. यादव को विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए यह मसाल सौंपी गई।

डॉ.यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर के वी के स्वर्ण जयंती वर्ष धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ.एस.के. सिंह एवं डॉ. राघवेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।